राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • मंगलवार • 27 अगस्त • 2024

धिक लाभ के लिये बारिश के मौसम में मधुमक्खियों का प्रबंधन जरूरी

ा में मधुमक्खियों के विषय में जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक। फोटो : एसएनबी

ूर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर रेयांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र के क डॉ. जगदीश किशोर ने वताया कि ा के मौसम में मधुमक्खियों के शत्रु एवं प्रवंधन करना नितांत आवश्यक होता होंने वताया कि मधुमक्खियों के प्रमुख ाया, चीटियां, छिपकली, मेंढक, गिरगिट टियां इत्यादि हैं। डॉ. जगदीश ने वताया ार्ा ऋतु में पतंगा कीड़ा मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाता है। इन के प्रकोप से मौन वंश कमजोर पड़ जाते हैं। छत्तों में लग जाने से रानी मक्खी अंडे देना वंद ी है। इसके नियंत्रण के लिए सल्फर या न डाई व्रोमाइड से धूमन कर दें। उन्होंने वताया कि वरसात के मौसम में चीटियों की रोकथाम के लिए मौन ग्रह के पायों को पानी भरी प्यालियों में रखें तथा वक्सों के आसपास जगह को साफ सुथरा रखें। उन्होंने वताया कि अगर चीटियों ने कॉलोनी वना ली हो तो उसे नष्ट कर दें। उन्होंने वताया कि मधुमक्खियों को वरसात के समय हरी चिड़िया भी नुकसान पहुंचाती है इसलिये वक्से जहां रखे हों वहां के पेड़ पर चिड़ियों को न वैठने दें। उन्होंने कहा कि वरसात में वर्र मौन ग्रहों से वाहर आ जाती मधुमक्खियों को अपना शिकार वनाती है इसके लिए वर्र के छत्तों का पता कर नष्ट कर देना चाहिए। डॉ. किशोर ने वताया कि वरसात में इन वातों का ध्यान रखने पर मौन पालक अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं।

34.0°
अधिकतम
21.2°
न्यूनतम
www.twitter.com/worldkhabarexpress
www.facebook.com/worldkhabarexpress
www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD
खबरें एक्सप्रेस

अधिक लाभ हेतु बरसात के मौसम में मधुमक्खियों का प्रबंधन आवश्यकः डॉ. जगदीश किशोर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में मधुमक्खियों के शत्रु एवं उनका प्रबंधन करना नितांत आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खियों के प्रमुख शत्रु ततैया,चीटियां,छिपकली, मेंढक,गिरगिट एवं चीटियां इत्यादि हैं। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि वर्षा ऋतु में पतंगा कीड़ा मधुमक्खियों को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इन के प्रकोप से ग्रसित मौन वंश कमजोर पड़ जाते हैं। छत्तों में जाले लग जाने से रानी मक्खी अंडे देना बंद कर देती है। इसके नियंत्रण के लिए सल्फर या एथिलीन डाई ब्रोमाइड से धूमन कर दें। इसी प्रकार डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में चीटियों की रोकथाम के लिए मौन ग्रह के पायों को पानी भरी प्यालियों में रखें तथा बक्सों के आसपास जगह को साफ सुथरा रखें यदि चीटियों ने कॉलोनी बना ली हो तो उसे नष्ट करने दें। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि मधुमक्खियों को बरसात के समय हरी चिड़िया भी नुकसान पहुंचाती है उन्होंने बताया कि बक्से जहां रखे हो वहां पर पेड़ पर चिड़ियों को न

बैठने दें। उन्होंने कहा कि बरसात में बर्र मौन ग्रहों से बाहर आ जाती मधुमक्खियों को अपना शिकार बनाती हैं इसके लिए बर्र के छत्तो का पता कर नष्ट कर देना चाहिए। डॉक्टर जगदीश किशोर ने कहा कि बरसात में इन बातों का ध्यान रखने पर मौन पालक अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं।

आज 27/08/2024

अधिक लाभ के लिए बरसात के मौसम में मधुमक्खियों का प्रबंधन आवश्यक

डॉ जगदीश

कृषि वैज्ञानिक डा. जगदीश किशोर ने किसानो को दी जानकारियां

कानपुर, 26 अगस्त। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में मधुमक्खियों के शत्रु एवं उनका प्रबंधन करना नितांत आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खियों के प्रमुख शत्रु ततैया, छिपकली, मेंढक, गिरगिट एवं चीटियां इत्यादि हैं। डॉ. जगदीश ने बताया कि वर्षा ऋतु में पतंगा कीड़ा मधुमक्खियों को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इन के प्रकोप से ग्रसित मौन वंश कमजोर पड़ जाते हैं। छत्तों में जाले लग जाने से रानी मक्खी अंडे देना बंद कर देती है। इसके नियंत्रण के लिए सल्फर या एथिलीन डाई ब्रोमाइड से धूमन कर दें। वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में चीटियों की रोकथाम के लिए मौन ग्रह के पायों को पानी भरी प्यालियों में रखें तथा बक्सों के आसपास जगह को साफ सुथरा रखें यदि चीटियों ने कॉलोनी बना ली हो तो उसे नष्ट करने दें। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि मधुमक्खियों को बरसात के समय हरी चिड़िया भी नुकसान पहुंचाती है उन्होंने बताया कि बक्से जहां रखे हो वहां पर पेड़ पर चिड़ियों को न बैठने दें। उन्होंने कहा कि बरसात में बर्र मौन ग्रहों से बाहर आ जाती मधुमक्खियों को अपना शिकार बनाती हैं। इसके लिए बर्र के छत्तो का पता कर नष्ट कर देना चाहिए। डॉक्टर जगदीश किशोर ने कहा कि बरसात में इन बातों का ध्यान रखने पर मौन पालक अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

क-239 मंगलवार, 27 अगस्त 2024 लखनऊ व एटा से प्रकशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ- 4

अधिक लाभ हेतु बरसात के मौसम में मधुमक्खियों का प्रबंधन आवश्यक–डॉक्टर जगदीश किशोर

अनवर अशरफ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में मधुमक्खियों के शत्रु एवं उनका प्रबंधन करना नितांत आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खियों के प्रमुख शत्रु ततैया, चीटियां, छिपकली, मेंढक, गिरगिट एवं चीटियां इत्यादि हैं।

डॉक्टर जगदीश ने बताया कि वर्षा ऋतु में पतंगा कीड़ा मधुमक्खियों को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इन के प्रकोप से ग्रसित मौन वंश कमजोर पड़ जाते हैं। छत्तों में जाले लग जाने से रानी मक्खी अंडे देना बंद कर देती है। इसके नियंत्रण के लिए सल्फर या एथिलीन डाई ब्रोमाइड से धूमन कर दें। इसी प्रकार डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में चीटियों की रोकथाम के लिए मौन ग्रह के पायों को पानी भरी प्यालियों में रखें तथा बक्सों के आसपास जगह को साफ सुथरा रखें यदि चीटियों ने कॉलोनी बना ली हो तो उसे नष्ट करने दें। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि मधुमक्खियों को बरसात के समय हरी चिड़िया भी नुकसान पहुंचाती है उन्होंने बताया कि बक्से जहां रखे हो वहां पर पेड़ पर चिड़ियों को न बैठने दें। उन्होंने कहा कि बरसात में बर्र मौन ग्रहों से बाहर आ जाती मधुमक्खियों को अपना शिकार बनाती हैं इसके लिए बर्र के छत्तो का पता कर नष्ट कर देना चाहिए। डॉक्टर जगदीश किशोर ने कहा कि बरसात में इन बातों का ध्यान रखने पर मौन पालक अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं।

Email :thegramtodayeditor@gmail.com R.N.I No. UTTHIN/2018/76731

(गांव देहात की खबर, शहर पर भी नज़र)

दि ग्राम टुडे

राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात, संघ प्रदेश एवम बुंदेलखंड से एक साथ प्रसारित

मंगलवार 27 अगस्त, 2024 कुल पेज :8 मूल्य प्रति 2/- रूपया आत्मा राम

अधिक लाभ हेतु बरसात के मौसम में मधुमक्खियों का प्रबंधन आवश्यकडॉक्टर जगदीश किशोर

दि ग्राम टुडे, कानपुर।
(संजय मौर्य)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के थरियांव स्थिति कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में मधुमक्खियों के शत्रु एवं उनका प्रबंधन करना नितांत आवश्यक होता है। उन्होंने बताया कि मधुमक्खियों के प्रमुख शत्रु ततैया, चीटियां, छिपकली, मेंढक, गिरगिट एवं चीटियां इत्यादि हैं। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि वर्षा ऋतु में पतंगा कीड़ा मधुमक्खियों को ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इन के प्रकोप से ग्रसित मौन वंश कमजोर पड़ जाते हैं। छत्तों में जाले लग जाने से रानी मक्खी अंडे देना बंद कर देती है। इसके नियंत्रण के लिए सल्फर या एथिलीन डाई ब्रोमाइड से धूमन कर दें। इसी प्रकार डॉ जगदीश किशोर ने बताया कि बरसात के मौसम में चीटियों की रोकथाम के लिए मौन ग्रह के पायों को पानी भरी प्यालियों में रखें तथा बक्सों के आसपास जगह को साफ सुथरा रखें यदि चीटियों ने कॉलोनी बना ली हो तो उसे नष्ट करने दें। डॉक्टर जगदीश ने बताया कि मधुमक्खियों को बरसात के समय हरी चिड़िया भी नुकसान पहुंचाती है उन्होंने बताया कि बक्से जहां रखे हो वहां पर पेड़ पर चिड़ियों को न बैठने दें। उन्होंने कहा कि बरसात में बर्र मौन ग्रहों से बाहर आ जाती मधुमक्खियों को अपना शिकार बनाती हैं इसके लिए बर्र के छत्तो का पता कर नष्ट कर देना चाहिए। डॉक्टर जगदीश किशोर ने कहा कि बरसात में इन बातों का ध्यान रखने पर मौन पालक अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं।